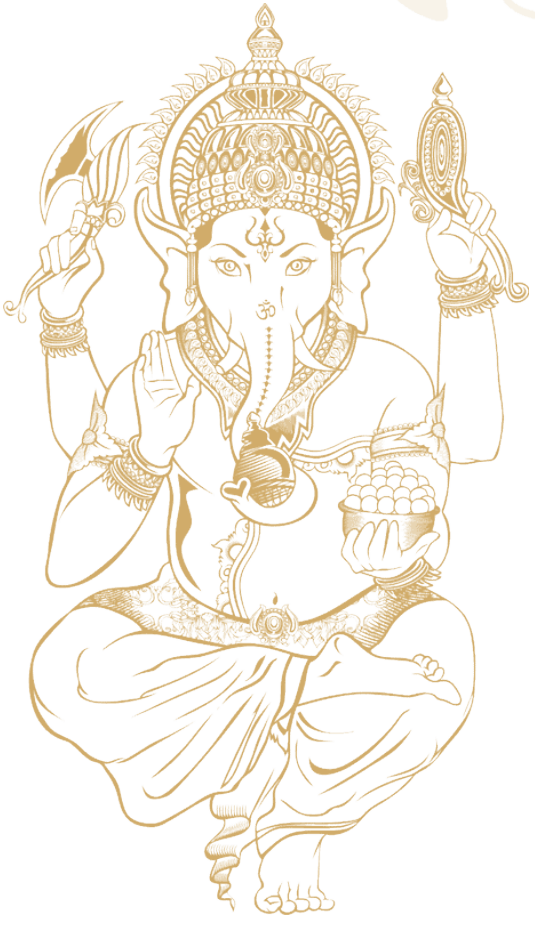

Karan ag

06 May 1999

07:32 PM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121256002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/05/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:32:00 घंटे**
इष्ट	34:52:39 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:13:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:21 घंटे
साम्पातिक काल	10:09:13 घंटे
सूर्योदय	05:34:56 घंटे
सूर्यास्त	18:56:18 घंटे
दिनमान	13:21:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:45:42 मेष
लग्न के अंश	00:11:33 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:11:33	307:03:05	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			मेष	21:45:42	00:58:06	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			धनु	27:08:45	12:10:44	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
मंगल	व		तुला	05:55:09	00:20:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			मेष	02:08:50	01:42:07	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मीन	25:37:22	00:13:44	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			मिथु	03:48:14	01:07:19	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	मेष	14:04:22	00:07:38	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	23:35:42	00:02:37	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	23:35:42	00:02:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:51:06	00:00:46	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:31:27	00:00:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:55:35	00:01:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	06:22:45	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:39

लग्न-चलित

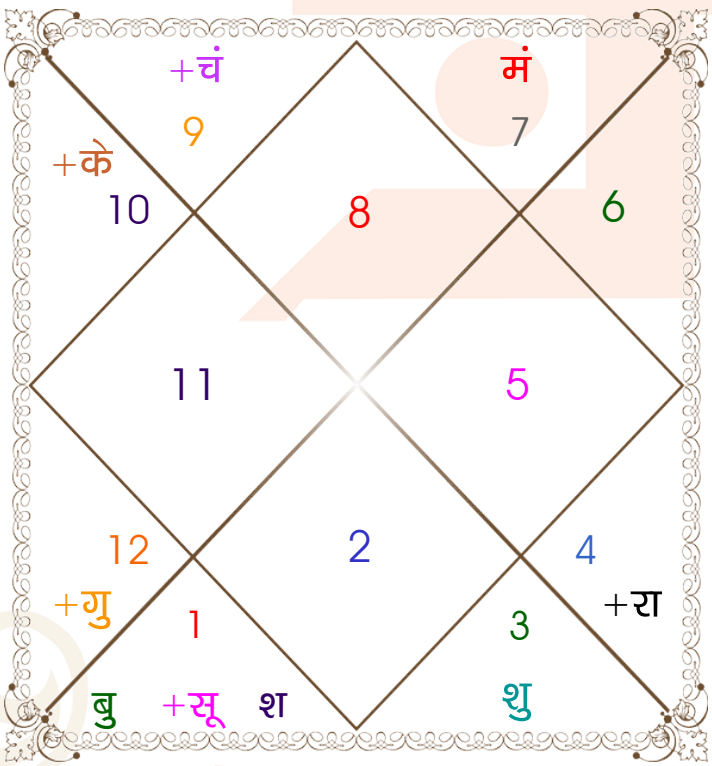

चन्द्र कुंडली

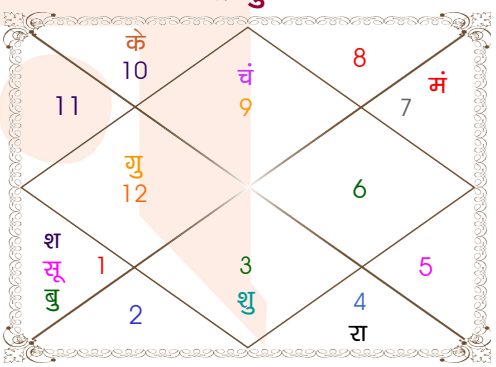

नवमांश कुंडली

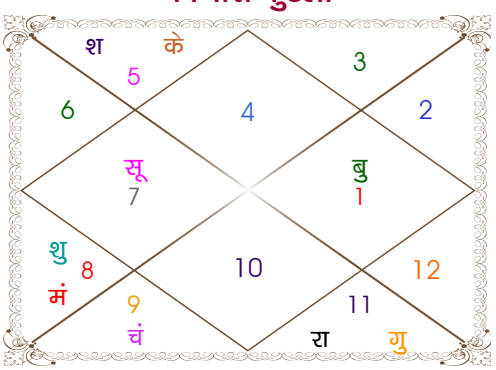

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 9 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/05/1999		16/02/2005		17/02/2015		16/02/2022		17/02/2040	
16/02/2005		17/02/2015		16/02/2022		17/02/2040		17/02/2056	
सूर्य	06/06/1999	चंद्र	17/12/2005	मंगल	16/07/2015	राहु	29/10/2024	गुरु	06/04/2042
चंद्र	06/12/1999	मंगल	18/07/2006	राहु	02/08/2016	गुरु	25/03/2027	शनि	17/10/2044
मंगल	12/04/2000	राहु	17/01/2008	गुरु	09/07/2017	शनि	29/01/2030	बुध	23/01/2047
राहु	06/03/2001	गुरु	18/05/2009	शनि	18/08/2018	बुध	17/08/2032	केतु	30/12/2047
गुरु	24/12/2001	शनि	18/12/2010	बुध	15/08/2019	केतु	05/09/2033	शुक्र	30/08/2050
शनि	06/12/2002	बुध	18/05/2012	केतु	11/01/2020	शुक्र	05/09/2036	सूर्य	18/06/2051
बुध	12/10/2003	केतु	17/12/2012	शुक्र	12/03/2021	सूर्य	30/07/2037	चंद्र	17/10/2052
केतु	17/02/2004	शुक्र	18/08/2014	सूर्य	18/07/2021	चंद्र	29/01/2039	मंगल	23/09/2053
शुक्र	16/02/2005	सूर्य	17/02/2015	चंद्र	16/02/2022	मंगल	17/02/2040	राहु	17/02/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/02/2056		17/02/2075		17/02/2092		17/02/2099		18/02/2119	
17/02/2075		17/02/2092		17/02/2099		18/02/2119		00/00/0000	
शनि	20/02/2059	बुध	15/07/2077	केतु	15/07/2092	शुक्र	19/06/2102	सूर्य	07/05/2119
बुध	30/10/2061	केतु	12/07/2078	शुक्र	14/09/2093	सूर्य	19/06/2103		00/00/0000
केतु	09/12/2062	शुक्र	12/05/2081	सूर्य	20/01/2094	चंद्र	17/02/2105		00/00/0000
शुक्र	07/02/2066	सूर्य	19/03/2082	चंद्र	21/08/2094	मंगल	19/04/2106		00/00/0000
सूर्य	20/01/2067	चंद्र	18/08/2083	मंगल	17/01/2095	राहु	19/04/2109		00/00/0000
चंद्र	20/08/2068	मंगल	14/08/2084	राहु	05/02/2096	गुरु	19/12/2111		00/00/0000
मंगल	29/09/2069	राहु	04/03/2087	गुरु	11/01/2097	शनि	18/02/2115		00/00/0000
राहु	05/08/2072	गुरु	09/06/2089	शनि	19/02/2098	बुध	18/12/2117		00/00/0000
गुरु	17/02/2075	शनि	17/02/2092	बुध	17/02/2099	केतु	18/02/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।